डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 07 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 14 अक्टूबर 2023 | मूल्य 2 रुपया

दलौदा पुलिस ने जप्त किए 6 लाख रुपए

दलौदा, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दलौदा पुलिस और एफएसटी टीम ने 3 अलग अलग मामलों में 50 हजार से ज्यादा नगद का परिवहन करने वालो से 5 लाख 98 हजार 740 रुपए जप्त कर कोषालय में जमा कराए है। मिली जानकारी के अनुसार एफएसटी 04 सेक्टर मजिस्ट्रेट कुबेर दास वरिष्ठकृषि विस्तार अधिकारी व पुलिस अधिकारी एएसआई प्रमोद सिंह तोमर द्वारा महु नीमच हाईवे रोड कचनारा चेक पोस्ट पर कृष्णपाल सिंह पिता किशोर सिंह राजपुत निवासी बीजेएस कालोनी जौधपुर से 2 लाख रुपये नगदी जप्त की गई। एफएसटी 03 सेक्टर मजिस्ट्रेट चेतन पाटीदार वरिष्ठकृषि विस्तार अधिकारी व एएसआई सुनील तोमर द्वारा महु नीमच हाईवे रोड कचनारा चेक पोस्ट पर राजवर्धन पिता कमलसिंह चौहान उम्र 21 साल निवासी चंद्रपुरा मंदसौर से 1 लाख 36 हजार 740 रुपये नगदी जप्त की गई। इसी तरह उत्तम कुमार पिता दर्शनलाल गांधी उम्र 43 साल निवासी सोभाग्य नगर 16 बी रतलाम से 2 लाख 62 हजार रुपये नगदी जप्त किए गए। कुल जप्त राशि 5 लाख 98 हजार 740 रुपये हुई है। जप्त राशि को कोषालय मंदसौर में जमा की गई।

मंदसौर का निर्वाचन आयोग जेके जैन..?

कलेक्टर बदले, जनप्रतिनिधि बदले, नहीं बदला चुनाव कराने वाला!

फिर एक बार चुनाव में शिकायत, आरोप- पार्टी विशेष को लाभ दिलाने का

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगरीय निकाय, पंचायत, लोकसभा, विधानसभा जैसे कई चुनाव...कई अधिकारी बदले...कई जनप्रतिनिधि बदले...लेकिन नहीं बदले तो जिला निर्वाचन अधिकारी के अधिनस्थ रहकर काम करने वाले डॉ जेके जैन। पशु चिकित्सा विभाग में लेब संचालक के पद पर काम करते हुए अन्य विभागों का चार्ज, तीन साल से ज्यादा समय से पोस्टिंग, इस तरह की शिकायतें तो लगातार हो रही है। लेकिन, चुनाव जैसे महत्वपूर्ण समय में कई बार डॉ जेके जैन की शिकायत हो चुकी है। लगातार उन पर पार्टी विशेष को लाभ दिलाने की शिकायतें सामने आई। यहां तक की 181 पर भी शिकायत हुई। लेकिन, जहां चुनाव आयोग हर मामले में गंभीरता दिखा रहा है। प्रदेश में एसपी-कलेक्टरों को एक शिकायत के बाद हटा रहा है। वहीं डॉ जेके जैन के लंबे समय से हर चुनाव में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को नजर अंदाज कर रहा है।

पार्टी विशेष के लिए काम...

एक बार फिर डॉ जेके जैन की जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत की गई है। शिकायर्ता मजदूर कल्याण समिति के प्रदेशाध्यक्ष करणसिंह परिहार ने बताया कि मंदसौर नगरपालिका चुनाव के समय भी मैने शिकायत की थी। जिसमें डॉ जैन द्वारा वार्ड दो में चुनाव और ईवीएम प्रशिक्षण के बहाने वोटरों को पार्टी विशेष के मतदाताओं को लुभाने का काम किया गया था। शिकायत में करणसिंह ने बताया कि मेरे स्वयं के द्वारा इनके नियम विरुद्ध, गैर जिम्मेदार आपराधिक कृत्य करने का आवेदन कलेक्टर जिला मंदसौर को सौंपा था। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हुई। दस साल से जिले में रहकर हर चुनाव में काम संभाल रहे हैं। शिकायत में डॉ जैन को हटाकर अपने मूल विभाग पशुपालन विभाग में भेजे जाने की मांग की गई है।

पहले भी हुई शिकायतें...

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहां सरकार तीन साल से ज्यादा जमे अधिकारी कर्मचारियों का स्थानांतरण की बात कर रही है। वहीं सालों से मंदसौर पशुपालन विभाग के लेब इंचार्ज न सिर्फ दूसरे बडे विभागों की बागडोर संभाल रहे हैं। बल्कि हर चुनाव में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इन पर एक विशेष दल को लाभ पहुंचाने का आरोप पहले भी लगा है। इस संबंध में सीएम हेल्पलाईन में भी शिकायत हुई है। जिसमें बताया गया कि जैन पर पुलिस में अपराधिक मामले में भी जांच चल रही है। एक विशेष पार्टी के लिए काम करने का आरोप इसमें लगाया गया था।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग दे चुका निर्देश...

डॉ जेके जैन का लंपी वायरस जैसी भयानक गौवंश विपदा में भी डॉ जेके जैन का मोह कलेक्टोरेट के विभागों से नहीं छूटा। डॉ जेके जैन की शिकायत सीएम हेल्पलाईन से लेकर उज्जैन के संभागीय कार्यालय तक हुई। इधर स्थिति यह रही कि बाबूगिरी छोडकर अन्य विभागों में परियोजना अधिकारी बनकर काम कर रहे डॉ जेके जैन के खिलाफ थानों तक में शिकायत हुई। इसके बाद भी कलेक्टर से लेकर जनप्रतिनिधियों का अभयदान जेके जैन को मिला। हालांकि इस साल मार्च में संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास ने मामले में संज्ञान लिया। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर को निर्देशित कर मूल विभाग में भेजने के निर्देश पत्र के माध्यम से जारी किए गए। किन्तु, निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ।

कई विभागों में हस्तक्षेप...

डॉ जेके जैन सिर्फ एक नहीं बल्कि कई विभागों में काम कर रहे हैं। जबकि, मूल विभाग से तनख्वाह ले रहे हैं। अब यह भगवान ही जाने मूल विभाग से उनकी दूरी का कारण और एक तनख्वाह पर इतने काम संभालने का मोह। पुरातत्व विभाग, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग, शहरी विकास अभिकरण जैसे कई विभागों में डॉ जेके जैन काम कर चुके हैं।

लंपी वायरस के समय मंदसौर था हॉट स्पॉट...

इधर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गौवंश के लिए लंपी वायरस जैसी विपदा में भी पशुपालन विभाग में डॉ जैन को नहीं भेजा गया। लेब चलाने के स्थान पर विभागों की फाईलें चलाने में डॉ जैन व्यस्त रहे। इधर पशुपालन विभाग में पहले ही स्टॉफ की कमी है। उधर लंपी वायरस में लेब का काम बिगड़ने के चलते कई गौवंशों की मौत तक हो गई। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन को गौवंशों की मौत का गलत आंकड़ा तक प्रस्तुत किया गया।

आपराधिक केस में भी जांच जारी...!

बता दे कि डॉ जेके जैन पर लंपी वायरस के समय हुई गौवंश हानी को लेकर गोपालकों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। यह मामला अभी भी चल रहा है। इसके अलावा अपने आपको अधिकारी बताकर एक परिवार को धमकाने और रुपए वसूली करने की शिकायत भी आवेदन के माध्यम से की गई थी। एक सरकारी कर्मचारी ने भी उनके खिलाफ थाने में शिकायत की थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने उन्हें तलब भी किया था।

नारायणगढ़ टीआई की मेहनत रंग लाई...

अग्रवाल एजेंसी पर चोरी करने वाले गिरोह के सरगना सहित 2 आरोपी गिरफ्तार, माल बरामद

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विगत 25- 26 सितम्बर की दरमियानी रात आईटीसी कंपनी के डीलर राजमल गर्ग के गोदाम में हुई लाखों की चोरी के मामले में पुलिस को सफलता मिली है।

मामले में जयपुर की चोर गैंग पुलिस के हत्थे चढी है। जिसमें चोर गैंग के रुडमल उर्फ कजोड़ पिता रामू राम जाट उम्र 38 साल निवासी हिरनोदा थाना फुलेरा जयपुर हाल मुकाम ओम वाटिका सिरसी रोड जयपुर और रामकिशन उर्फ किशन पिता मांगीलाल गुर्जर उम्र 20 साल निवासी ग्राम महेश वास भंडे बालाजी के पास थाना जोबनेर जयपुर ग्रामीण राजस्थान को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं मामले में फरार गोपाल पिता बोदू राम निठारवाल जाति जाट निवासी जाना बाबा की ढाणी समालपुरा थाना फुलेरा जयपुर ग्रामीण और नरेंद्र पिता प्रभु सिंह राजपूत निवासी डिंडा थाना फुलेरा जयपुर ग्रामीण की तलाश की जा रही है। वहीं बिना नंबर की टोयोटा इटीओस कार, पिकअप, 2 लिबर्टी कार्टून, 4 तानसेन गुटखे के कट्टे कुल किमत 17 लाख 35 हजार रुपए जब्त की गई है। पूरे मामले में नारायणगढ टीआई जितेंद्र सिंह सिसोदिया और साइबर सेल टीम की प्रमुख भूमिका रही। मामले का खुलासा पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुजानिया ने प्रेसवार्ता में किया।

अन्य जगहों पर बेचते थे सिगरेट...

पुलिस कप्तान श्री सुजानिया ने बताया कि अंतरराज्यीय चोर गिरोह का सरगना कजोड उर्फ रूडमल एक पेशेवर अपराधी होकर एक गिरोह संचालित करता है। जिसमें हर बार अलग-अलग सदस्यों को साथ लेकर आईटीसी कंपनी की महंगी सिगरेट के गोदाम की जानकारी प्राप्त कर घटना के पूर्व रैकी कर गोदाम को निशाना बनाते हैं। चुराई गई सिगरेटों को अपने क्षेत्र में अन्य लोगों को बेच देते हैं। आरोपी पेशेवर अपराधी होकर लगभग 25 से ज्यादा वारदात को अंजाम दे चुके हैं तथा संपूर्ण भारतवर्ष के कई इलाकों में घटना कारित कर अपने पेशे में पूर्णत: अभ्यस्त हो चुके हैं। यह पेशेवर आरोपी वारदात के समय तथा वारदात के पूर्व रैकी करते समय एवं वारदात के बाद में कोई भी सुराग नहीं छोड़ते हैं तथा अपनी पहचान को हमेशा गुप्त रखते हुए वारदात को अंजाम देते हैं, ताकि पुलिस उन तक पहुंच ना सके।

खड़े ट्रक में जा घुसा पुलिस वाहन

ड्रायवर की मौत, टीआई और नगर रक्षा समिति के तीन युवक घायल

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार देर रात शामगढ़ थाने का पुलिस वाहन सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसा। हादसा रात्रि कालीन गश्त के दौरान हुआ। इसमें 57 वर्षीय चालक अल्लानुर की मौत हो गई। टीआई एनएस मरावी और नगर सुरक्षा समिति के तीन युवक घायल हैं। सभी का मंदसौर के अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। हादसा रात 2.30 बजे शामगढ़ - सुवासरा रोड़ बसई गांव के पास हुआ।

जानकारी के अनुसार रात के करीब 2.30 बजे गश्त के दौरान खड़े ट्रक में थाने का बोलेरो जा घुसा। हादसे में वाहन चालक अल्लाह नूर की मौत हो गई। वो गाड़ी का निजी चालक था और करीब 25 साल से थाने की जीप चलाता था। वहीं शामगढ थाना टीआई नारायण सिंह मरावी, नगर सुरक्षा समिति के गौतम पिता राजेश मीणा, लोकेश पिता रामदास को घायल अवस्था में मंदसौर रेफर किया गया। जहां सभी का... **शेष पेज 4 पर**

तय किया 600 किलोमीटर का सफर...

पुलिस कप्तान श्री सुजानिया ने बताया कि पुलिस घटना दिनांक से ही सडक के किनारे किनारे, चौराहो चौराहो, होटल, ढाबा, बस स्टेण्ड , रेल्वे स्टेशन, मुख्य मार्ग, टोल नाको पर कडी से कडी जोडते हुए वेश बदलकर आगे बढती रही। छह सौ किमी का सफर तय कर आखिरकार पुलिस को यह सफलता मिली। पुलिस की इस सफलता में जितेंद्र सिंह सिसोदिया थाना प्रभारी नारायणगढ, राकेश मोदी निरीक्षक थाना प्रभारी कोतवाली, उप निरी रितेश नागर प्रभारी सायबर सेल, उप.निरी. संदीप मोर्य, उप.निरी. शेलेन्द्र सिंह कनेश सहित टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बेखौफ, निडर, स्वच्छ पत्रकारिता
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर 18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
**** बधाईकर्ता ****
घनश्याम तोमर
बालागंज मंदसौर

सत्य परेशां
हो सकता है
लेकिन पराजित नहीं
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर
18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
****** बधाईकर्ता ******
रितेश शर्मा
(निक्की)
शारदा स्टील्स
संजीत रोड़, मंदसौर

''साजिशे लाखों बनती हैं, उनकी हस्ती मिटाने की।
बस 'दुआएं' हम लोगो की उन्हें 'मुकम्मल' नहीं होने देती''॥
मालवांचल के प्रमुख, जनता के अपने
दैनिक
गुरु एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होकर 18 वें वर्ष में प्रवेश पर
हार्दिक शुभकामनाएं
****** बधाईकर्ता ******
शुभम कुमावत
संतोष स्टोन, मंदसौर

विचार-मंथन

आतंकवाद के जरिए हल करना संभव नहीं

इजराइल पर हमास के हमले के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इजराइल के प्रधानमंत्री से फोन पर बात कर उन्हें आश्वस्त किया कि भारत उनके साथ खड़ा है। भारत का यह रुख सिर्फ इसलिए नहीं है कि इजराइल से उसके रिश्ते काफी मजबूत हैं और दोनों देशों के व्यापारिक संबंध लगातार प्रगाढ़ होते गए हैं। बल्कि इस समय भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह दुनिया में कहीं भी और किसी भी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ है। हमास एक आतंकवादी संगठन है और जिस तरह उसने इजराइल पर हमला किया और कई सौ लोगों को मार डाला, वह मानवता के विरुद्ध उठाया गया कदम है। हालांकि इजराइल ने हमास के इस हमले को युद्ध कहा और उस पर पलटवार करते हुए पूरे गाजा क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। उसने हमास को नेस्तनाबूद करने का संकल्प दोहराया है। इस हमले के बाद दुनिया भर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस्लामी देशों के लामबंद होने और इजराइल के खिलाफ बड़े युद्ध की आशंका भी जताई जा रही है। अमेरिका ने इजराइल को मदद भेजनी शुरू कर दी है। ऐसे में फिर से दुनिया दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। मगर दुनिया के तमाम देशों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं और वे सुरक्षा से अधिक अपने व्यापारिक रिश्तों को अहमियत देते देखे जा रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि फिलस्तीन के समर्थन और इजराइल के विरोध में कोई बड़ी लामबंदी नहीं हो सकती। चूंकि हमास को ईरान की शह मिली हुई है, इसलिए उसके इजराइल के खिलाफ मैदान में उतरने की संभावना अधिक जताई जा रही है। मगर वैश्विक मंच पर आज कोई ऐसा देश नहीं है, जो इस तरह किसी आतंकी संगठन के पक्ष में उतरना चाहेगा। इजराइल की दुश्मनी फिलस्तीन से है। फिलस्तीन के हिस्से की जमीन इजराइल ने हथिया रखी है। इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी सुलझाने का प्रयास किया गया, मगर इजराइल के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। कोई भी लोकतांत्रिक देश इस तरह किसी देश के भूभाग पर कब्जा करने के प्रयासों को उचित नहीं ठहरा सकता। इसीलिए भारत भी शुरू से फिलस्तीन का पक्षधर रहा है। अब भी वह इजराइल के साथ जरूर है, मगर फिलस्तीन के हक के खिलाफ नहीं है। हालांकि प्रधानमंत्री के इजराइल के साथ खड़े होने की घोषणा पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया कुछ इस तरह आ रही है, जैसे भारत फिलस्तीन के विरोध में खड़ा है।दुनिया के अनेक देश आतंकवाद का निशाना झेल चुके हैं। अमेरिका, फ्रांस और भारत काफी बड़ा नुकसान उठा चुके हैं। भारत का काफी धन और ऊर्जा इससे निपटने में खर्च होती है। अमेरिका की जुड़वां मीनारों पर हुए आतंकी हमले के बाद जब दुनिया भर के देश आतंकवाद के खिलाफ युद्ध को वचनबद्ध हुए थे, तब भारत भी उनमें अग्रणी था। इसलिए वह कहीं भी हुए आतंकी हमले के विरोध में खड़ा रहता है। वह इजराइल और फिलस्तीन के झगड़े को बातचीत के आधार पर निपटाने का पक्षधर है। हमास जैसे आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने के पक्ष में वह कभी हो ही नहीं सकता। इस तरह भारत ने पाकिस्तान और चीन को भी संकेत दिया है कि उन्हें चरमपंथ पर दोहरा रवैया छोड़ कर स्पष्ट रूप से इसके विरोध में खड़ा होना चाहिए। कहीं भी दो देशों के मतभेद आतंकवाद के जरिए नहीं मिटाए जा सकते।

एक नेतन्याहू और घायल इजराइल!

हरिशंकर व्यास

हां, इजराइल घायल है, सदमें में है, खौफ में है और दुनिया यह सोच हैरान है कि यह देश भला इतना सोया हुआ और लापरवाह कैसे? वह भी तब जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सत्ता साझेदार कट्टर यहूदी पार्टियां इस हवाबाजी के साथ थे कि वे इजराइली सुरक्षा के बाहुबली हैं। वे उदारवादी नहीं, बल्कि इस्लामी आतंकी हमास व हिज्बुल्ल जैसों को ईंट के बदले पत्थर से जवाब देने वालेहैं। नेतन्याहू मतलब छप्पन इंची छाती का यहूदी नेता। लेकिन आज हकीकत? अपना मानना है सात अक्टूबर 2023 की तारीख इजराइल का न केवल 9/11 है, बल्कि वैश्विक पैमाने पर इस्लाम बनाम यहूदी, इस्लाम बनाम पश्चिम, इस्लाम बनाम शेष धर्मों के सभ्यतागत संघर्ष की वह नई चिंगारी है, जिससे विश्व राजनीति में यूक्रेन-रूस युद्ध जैसा मोड़ आए। और यूरोप के बाद अरब-खाड़ी-पश्चिम एशिया में भी भारी उथल-पुथल। कल्पनातीत है यह सोचना की इजराइल को अपने पिछवाड़े की आतंकी तैयारियों का भान नहीं हुआ, जबकि दुनिया और खुद इजराइल दशकों से आतंकवाद झेलता हुआ है। सात अक्टूबर 2023 को आतंकियों ने जब सैकड़ों की संख्या में इजराइल पर धड़ाधड़ रॉकेट दागे तो उसके नेता और अधिकारी हैरानी में कहते हुए थे कि- हमें नहीं पता कि ये कैसे हो गया। वह इजराइल, वह मोसाद, जिससे दुनिया के देश खुफियागिरी के पाठ पढ़ते है, जो उन सॉफ्टवेयर (पैगासस आदि), उपकरणों का निर्यातक है, जिससे भारत सहित दुनिया भर के देशों में नागरिक अधिकारों और लोगों की निजता का हनन होता है। वह इजराइल, जिससे अरब देशों में खौफ रहा है। वह इजराइल, जिसने ठीक पचास साल पहले 1973 में मिस्र-सीरिया की साझा अरब सेनाओं के योम किप्पूर युद्ध की अप्रत्याशितता के बावजूद तुरंत जवाबी मुकाबले में अपने को झोंक दिया था। वह इजराइल, जिसने एक दशक से हमास, हिज्बुल्ला को हर तरह से ठोका और पस्त किया लेकिन वह नहीं समझ पा रहा है कि 'ये कैसे हो गया'। जवाब है नेतन्याहू की सत्ता भूख और इजराइली जनता का दो खेमों में बंटा हुआ होना। नेतन्याहू बतौर लिकुड नेता उन कट्टर यहूदियों के वोटों व उनकी प्रतिनिधि पार्टियों के एलायंस से प्रधानमंत्री बनते रहे हैं, जिन्होंने धर्म और राष्ट्रवाद में यहूदियों को ही दो हिस्सों में बांट दिया। हां, हमास के हमले के बाद देश के सभी यहूदी अभी जरूर एकजुट है लेकिन हमले से पहले इजराइली लोग दो खेमों में बंटे हुए थे। नेतन्याहू समर्थक और नेतन्याहू विरोधी। कट्टरपंथी बनाम उदारवादी। जैसे अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप बनाम जो बाइडेन। भारत में मोदी भक्त बनाम मोदी विरोधी। और यह सत्य भी नोट रखें कि विश्व राजनीति में नेतन्याहू, डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी का साझा चिन्हित रहा है। जाहिर है इजराइली यहूदी हाल के सालों में विभाजित रहे हैं। नेतन्याहू ने सत्ता में बने रहने की भूख में कट्टरपंथियों को मनमानी करने दी। बात-बेबात फिलस्तीनी इलाके में तेवर दिखाते रहे। कभी यहूदी बस्तियों को फैलाने की जिद में तो कभी सीमा पार के हमास और हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले व कभी अल अक्सा मस्जिद इलाके में उकसाने वाली हरकतों से नेतन्याहू सरकार का मैसेज था कि वे ही हैं जो यहूदी हितों के लिए मर मिटने वाले हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कट्टरपंथियों के चंगुल में ऐसा मकड़जाल बनाया, जिससे वे जहां अदालत में भ्रष्टाचार मामले में कटघरे में हैं तो वही अपने वर्चस्व के लिए संविधान व व्यवस्था से भी खिलवाड़ करते हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट याकि अदालती स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए जो संविधान संशोधन बनाया है उससे न केवल इजराइल में उनका स्थायी विरोध है, बल्कि दुनिया में भी बदनामी है। तभी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनसे दूरी बनाई। यहूदी थिंक टैंक नेतन्याहू सरकार के आलोचक हुए। नेतन्याहू ने अपनी सरकार को अछूत और लोकतंत्र के नाम पर कलंकित किया। उनके खिलाफ विरोध आंदोलन इतने सघन हैं कि रिजर्व आर्मी के लोग भी विरोधी प्रदर्शनों व हड़ताल पर उतरे। एयरपोर्ट कंट्रोलरों से ले कर सुरक्षाकर्मी सभी ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन-धरना में हिस्सा लिया। इजराइल अंदरूनी तौर पर बिखरा और विभाजित हुआ। इसलिए 'हमें नहीं पता कि ये कैसे हो गया' की जिम्मेवारी एक अकेले नेतन्याहू की बनती है। नेतन्याहू अपनी सत्ता, अपनी तिकड़मों में देश और उसकी व्यवस्था को ऐसा बेसुध व लापरवाह बना बैठे, जिससे सरकार, सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां आदि किसी को भी नहीं सूझा कि दुश्मन इसका फायदा उठा सकता है। सही में आतंकी फिलस्तीनी संगठन हमास का सात अक्टूबर 2023 का आपरेशन 'अल अक्सा फ्लड' इजराइल की अंदरूनी स्थितियों का परिणाम है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की बनवाई अंदरूनी कलह का नतीजा है। संदेह नहीं कि इजराइल के बाहुबल के आगे आतंकी टिक नहीं पाएंगे। यहूदी इकट्ठे हो गए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पश्चिमी देश इजराइल के पीछे आ गए हैं। मगर इजराइल की इमेज, धमक को जो नुकसान होना था वह तो हो चुका है। 1967 और 1973 की अरब-इजराइल लड़ाई से इजराइल का जो वैश्विक रुतबा बना था वह सात अक्टूबर 2023 से अब धूल धसरित है। कौन अब मोसाद को सर्वाधिक काबिल खुफिया एजेंसी मानेगा? कौन अब यह मानेगा कि सिर्फ 25 मील लंबी और छह मील चौड़ी गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक के 22 लाख लोगों का इजराइली पिछवाड़ा हमेशा इजराइल की दबिश में रहने वाला है? हमास अब न केवल 55 लाख फिलस्तीनियों के दिलों पर राज करते हुए है, बल्कि दुनिया भर के उन इस्लामी उग्रवादियों, कट्टरपंथियों, आतंकियों और ईरान से ले कर चीन जैसे उन तमाम देशों का महानायक है, जो पश्चिमी सभ्यता और यहूदियों से किसी न किसी बात पर पंगा ठाने हुए हैं। कहने को नेतन्याहू ने कहा है लेकिन गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक में जिस तादाद में फिलस्तीनी लोग हमास के पक्ष में सड़कों पर उमड़े हैं और आतंकियों ने इजराइली बंधकों को वहां के अपने ठिकानों में छुपाया है तो उस रियलिटी में इजराइली सैनिक कितनों को मिट्टी में मिला सकते हैं? हमास का आपरेशन फिलस्तीनियों को, इस्लामी देशों को और दुनिया को मैसेज देने के लिए है।

असीम संभावनाओं का विश्वकप

संदीप जोशी

तेरहवां एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का उत्सव देश में अगले डेढ़ महीने चलने वाला है। दस देश विश्व विजेता बनने के लिए भारत के मैदानों पर एक-दूसरे से खेलने वाले है। विश्व कप में अच्छा खेलने का दबाव सभी पर भारी पड़ता है।ज्बल्लेबाजों का बोलबाला रहने ही वाला है। लेकिन जिसकी गेंदबाजी में दमखम और कलाकारी होगी उसको हराना मुश्किल ही रहेगा। तनाव और दबाव भरे खेल में कोई भी टीम अपना बुरा दिन होने पर पचक कर हार भी सकती है। कुछ टीमें पूरे पचास ओवर खेलने में भी असमर्थ रहेंगी। क्रिकेट एक भारतीय खेल है जिसकी आकस्मिक खोज अंग्रेजों ने की।- ऐसा तीन दशक पहले समाजशास्त्री आशीष नंदी ने यूं ही कह दिया होगा। समय जैसे बीतता रहा, वैसे ही इस वाक्य पर भारतीयों का विश्वास बढ़ता गया। क्रिकेट को जैसा अपन भारतीयों ने अपनाया शायद वैसा तो अंग्रेजों का हम लोगों ने कुछ भी नहीं अपनाया। हमारी रगों में क्रिकेट का खून खास तेजी से दौड़ता और उछल-कूद मचाता है। हमारे जीवन में रोमांच के अनेक सुनहरे अवसर देता है। विश्व पटल पर हम भारतीयों के पांव जमे होने का स्वाभिमान भी देता है। क्रिकेट ही हमारी राष्ट्रभक्ति का असल जुनून हो गया है। दुनिया में क्रिकेट खेलने वाले देश मुश्किल से कुल पंद्रह-बीस ही हैं। सूरज न डूबने वाले विशाल ब्रिटिश साम्राज्य में कुछ ही देशों ने क्रिकेट को अपनाया। मगर जैसा भारतीय उपमहाद्वीप ने अपनाया वैसा किसी और ने नहीं। यहां तक कि क्रिकेट को भारतीय अस्मिता व आस्था से जोड़ दिया। भारत में क्रिकेट खेलने का रिवाज व शैली अंग्रेजों के आने के बाद ही फैली और लोकप्रिय हुई। सन् 1932 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर भारत ने पहला व्यवस्थित पांच दिन का टेस्ट मैच खेला था। फिर खेलते-खेलते भारतीय टीम ने उसी मैदान पर अचानक सन् 1983 का एकदिवसीय विश्व कप जीता। कपिल देव के जांबाजों की गौरवपूर्ण जीत ने जो क्रिकेट की लोकप्रियता के लिए किया वह आज भारतीय शान का इतिहास है। फिर जब धोनी के धुरंधरों ने सन् 2011 का विश्व कप घरेलू मैदान पर जीता तो क्रिकेट की लोकप्रियता सनक की दिवानगी में बदल गयी। आज अपनी टीम जब मैदान पर उतरती है तो सौ करोड़ भारतीयों की आशा खेल से ज्यादा जीत पर होती है। यह सब इसलिए की तेरहवां एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का उत्सव देश में अगले डेढ़ महीने चलने वाला है। दस देश विश्व विजेता बनने के लिए भारत के मैदानों पर एक-दूसरे से खेलने वाले हैं। विश्व कप में अच्छा खेलने का दबाव सभी पर भारी पड़ता है। इंग्लैंड में हुए पिछले विश्व कप के पन्द्रह देश में से सिर्फ दस देश ही इस विश्व कप में जगह पा सके। विश्व कप की तैयारी में सभी देश आपस में एकदिवसीय खेल रहे थे। इस बीच पिछले और इस विश्व कप के बीच में बीसमबीस के दो विश्व कप भी खेले गए। विस्तार से क्रिकेट खेल का लगातार विकास होता रहा है। टेस्ट मैच के बाद एकदिवसीय और अब बीसमबीस खूब लोकप्रियता और समर्थन पा रहा हैं। आगे दसमदस को भी नकारा नहीं जा सकता है। खेल के विभिन्न प्रारूपों में इस विश्व कप से एकदिवसीय का भविष्य तय होगा। खेल के प्रेमी और दर्शक ही इस प्रारूप की नियति तय करेंगे। इस विश्व कप के पहले देशों के बीच में खेले गए एकदिवसीय देखें तो टीमों की लय, लगन और लास्य को समझा जा सकता है। सभी मैचों में बीसमबीस का असर साफ तौर पर देखा गया। बीसमबीस की लप्पेबाजी से टीमों के स्कोर-योग लगातार बढ़ते रहे हैं। आज बीस ओवर में 175-200 रन आम बनते हैं। और पचास ओवर में अब 275 से 350 रन बनने लगे हैं। इन रनों का पीछा करने वाली टीमें भी आज जीतने लगी हैं। गेंदबाजों का जो भी बुरा हाल हो, बल्लेबाजों की तो बल्ले-बल्ले हो रही है। खेल में चल रही इस असाम्यता को भी सामान्य बनाने की चुनौती रहेगी।

यूथ फेस्टिवल- रियल नहीं रील में लगा है यूथ

हाल ही में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त एक कॉलेज में जाने का मौका मिला। दरअसल कॉलेज में युवा महोत्सव का समय जब आता है तो कला, संस्कृति और साहित्य की बातें हर तरफ होने लगती है। माहौल ऐसा हो जाता है कि मानों कॉलेज कैंपस में चारों तरफ लेक्चर कम और युवा महोत्सव की तैयारियां जोरो शोरो से होने लगती है। कॉलेज में पढ़ने वाला स्टूडेंट् हो या फिर प्रोफेसर सभी युवा महोत्सव के रंग को चटकार देने के लिए हर कोशिश करते हैं। लेकिन अफसोस की बात ये है कि आज का जमाना युवा महोत्सव की गहराई को समझ नहीं पा रहा है तभी तो वह मोबाइल में रील बनाने में लगा हुआ है। उसे ये नहीं पता कि लाइव परफोर्मेंस क्या होती है। रियल में स्टेज पर परफोर्म करने में हमें तो बढ़ा मजा आता था। लेकिन आजकल के युवाओं को परफोर्म करना कम मोबाइल में रील बनाने में ज्यादा मजा आता है। रियल और रील में अंतर को समझने के लिए आप को मैं साल 2000 से लेकर 2010 के समय काल में लेकर चलता हूं। दरअसल मैं भी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से मान्यता प्राप्त डीएवी शताब्दी कॉलेज में पढ़ा हूं। पढ़ाई के दौरान से ही आर्ट एंड कल्चर से लगाव ज्यादा रहा है। जब स्कूल में था तो स्टेज पर परफोर्म करने में मजा आता था। स्टेज पर अकेले आप होते हैं ओर सामने होती है ऑडियंश जो आपके कला को पहचानती है और उसकी कद्र करती है। कॉलेज के दिनों की बात करें तो हर साल यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल का आयोजन कराती है। जिसमें आर्ट एंड कल्चर से जुड़ी गतिविधियां होती है। इनमें थियेटर सेक्शन में वन एक्ट प्ले, माइम, स्किट, मिमिक्री और संस्कृतक नाटक आते हैं तो वहीं डांस में ग्रुप डांस हरियाणवीं, जनरल डांस, सोलो डांस हरियाणवीं के अलावा संगीत, साहित्य और फाइन आर्ट की गतिविधियां होती है। स्टूडेंट्स अपने अपने शौक और टैलेंट के अनुसार इन गतिविधियों में हिस्सा लेते है। मैं अपनी बात करूं तो शुरू से ही अपनी रूचि थियेटर में थी। नाटक की टीम में हमेशा से रहता था तो इसके अलावा सोलो आइटम यानी की मिमिक्री की परफोर्मेंस भी देता था। एक साथ पांच मिनट में 35 से 40 तरह तरह की आवाजें निकालता था। नाटक की रिहर्सल डेढ़ महीने पहले से ही शुरू हो जाती थी। नाटक कराने के लिए बाहर से एक्सपर्ट डॉयरेक्टर कॉलेज में आते थे और नाटक की बारीकी सिखाते थे। अच्छा, उस वक्त यानी की साल 2000 से लेकर 2010 की बात करें तो सोशल मीडिया का इतना क्रेज नहीं था। मोबाइल भी साधारण से होते थे। उक्त टाटा का फोन आया था जिसमें एक साल तक 2500 मिनट कॉलिंग फ्री मिलती थी, तो वहीं फोन हम सभी इस्तेमाल करते थे। यूथ फेस्टिवल के दौरान जब रिहर्सल होती थी तो लेक्चर लेना पूरी तरह से बंद कर देते थे। अपने साथ के कुछ साथी लोग बोलते थे कि अरे लेक्चर में आजा लेकिन अपन ये कहते थे कि हम यूथ फेस्टिवल की तैयारी कर रहे हैं हमे लेक्चर नहीं लेना। अंत में हमें पर्याप्त लेक्चर मिल जाते थे। जब रिहर्सल होती थी तो सुबह से लेकर शाम तक उसी में डूबे रहते थे। हंसी मजाक , ठिठोली खूब होती थी। जिस दिन यूथ फेस्टिवल में अपनी आइटम की प्रस्तुति होती थी उस दिन पूरी शिद्दत के साथ स्टेज पर चढ़ कर हम लोग अपनी प्रस्तुति देते थे और कामयाबी भी हासिल होती थी। नाटक के साथ साथ मिमिक्री भी फस्ट या सेकेंड पोजिशन में आ जाती थी। यूनिवर्सिटी के अलावा नैशनल स्तर पर भी अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। ऐसा तभी संभव हो पाया जब हम लोग रियल में परफार्मेंस करते थे।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5023

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5022

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5023

संकेत: बाएं से दाएं

1. दादामुनि के नाम से फिल्म इंडस्ट्री में प्रसिद्ध इस अभिनेता ने 13 अक्टूबर 1911 को जन्म लिया था (6)
6. टेसू को यह भी कहा जाता है (3)
7. बलपूर्वक बार-बार दोहराना (3)
9. [illegible] (5)
11. घनिष्ठ मित्र (5)
13. ताप, उष्णता, सहन सहने की शक्ति (2)
16. भारत की पहली महिला जो विश्वसुंदरी बनी (1996)(5)
19. यह एक नदी है जो उत्तरी इटली के पूर्व में बहती है (1)
20. [illegible] (2)
21. विश्व की एकमात्र फिल्म जो एक पात्रीय भूमिका वाली फिल्म थी जिसके निर्माता, निर्देशक अभिनेता सुनील दत्त थे (2)
22. प्राचीन काल से चला हुआ क्रम, परंपरागत (4)

ऊपर से नीचे

1. शाकद्वीप की सात नदियों में से एक, पुराणानुसार महादेव द्वारा सृष्ट एक मानस-पुत्री का नाम (5)
2. आग की लपट, अग्निज्वाला (2)
3. खींचना, फूंक, चाबुक (2)
4. प्रकाशकारी, प्रकाशक, दीये जला प्रकाश करने वाला (3)
5. अभिवादन प्रदान करना, निर्माण करना (3)
8. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा (3)
9. मयदानव की पुत्री जो लंकापति रावण की पटरानी थी (4)
10. हाथ, [illegible] (2)
12. [illegible], प्रेमचंद की प्रसिद्ध उपन्यास (3)
14. स्वच्छता, निर्मलता, शुद्धता (उर्दू) (4)
15. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी पूर्वी तट पर स्थित इस देश की राजधानी जार्जटाउन थी (3)
17. खींचकर कड़ा या तंग करना (3)
18. परछाईं, प्रतिबिम्ब, सूर्य की पत्नी संज्ञा की अनुचरी (2)

वर्ग पहेली 5022 का हल

राज्य तैराकी स्पर्धा में नीमच के तैराकों का रहा दबादबा

ग्वालियर में हुई 5 दिनी प्रतियोगिता में जिले के 11 तैराकों ने 8 गोल्ड सहित 33 मेडल जीते

नीमच, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 67वीं राज्य स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता में नीमच केखिलाड़ियों का दबादबा रहा। जहां 5 दिनों में जिले के 11 तैराकों ने अंडर 14, 17 व 19 में 8 गोल्ड सहित 33 मेडल जीत ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की।

स्कूल शिक्षा विभाग की नीमच जिला टीम मैनेजर प्रिया सेमुअल एवं जिला तैराकी संघ अध्यक्ष अशोक मोदी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि ग्वालियर में 9 से 13 अक्टूबर तक हुई स्टेट तैराकी प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग की ओर से शामिल हुए नीमच जिले के तैराकों ने विभिन्न आयु वर्ग में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता में नगरपालिका नीमच के स्वीमिंगपुल के लाइफ गार्ड आयुष गोड, नीलेश धावरी ने वहां मौजूद रहकर कोच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सफलता के लिए जिला शिक्षा क्रीड़ा अधिकारी सावित्री मालवीय, जिला तैराकी संघ अध्यक्ष अशोक मोदी, मेंटर प्रभु मूलचंदानी, प्रकाश मंडवारिया, शरद जैन, दिलीप डूंगरवाल, राकेश कोठारी, मुकेश चतुर्वेदी, रामगोपाल मोदी, विष्णु मोदी, गोतम पटोदी, विशाल शर्मा, धीरेंद्र गेहलोत, नितेश शर्मा आदि सभी ने तैराकों की प्रशंसा करते हुए आगे भी इसी तरह प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षा विभाग व तैराकी संघ सदस्यों ने तैराकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिले के तैराकों ने इन प्रतियोगिता में जीते मेडल– सिद्धांत सिंह जादौन ने 3 गोल्ड 1 सिल्वर 1 ब्रांज, वनिष्का चतुर्वेदी 2 गोल्ड, 2 सिल्वर व 1 ब्रांज, आद्रिका कविश्वर् ने 2 गोल्ड व 1 सिल्वर, स्तुती अग्रवाल ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर व 2 ब्रांज, नाज़िया खान ने 1 सिल्वर व 2 ब्रांज, सुनिधि वालूजकर ने 2 सिल्वर व 1 ब्रांज, पृथ्वीराजसिंह हरोड ने 1 सिल्वर व 1 ब्रांज, आरव शर्मा ने 1 सिल्वर व 1 ब्रांज, आयुष शर्मा ने 1 सिल्वर व 1 ब्रांज, अंजनीसिंह सेमुअल ने 1 सिल्वर व 1 ब्रांज, प्रथा हरोड ने 2 ब्रांज, एवं कुलदीप पाटीदार ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

15 से 19 अक्टूबर तक भोपाल में अगली स्पर्धा– इसके साथ ही अब तैराकी की अगली प्रतियोगिता 15 से 19 अक्टूबर के बीच भोपाल में हो रही है। जिसका आयोजन सीबीएसई द्वारा किया जा रहा है। जिसमें वेस्ट जोन चेम्पियनशिप में इनमें से अधिकांश तैराक ही शामिल होंगे उसमें भी अपना यही जोश बनाए रखने के लिए संघ ने सभी को हौसला बढाया।

धार्मिक स्थलों का राजनीतिक प्रायोजन हेतु उपयोग नहीं किया जा सकेगा

नीमच, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 केलिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा के साथ ही जिले में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। तदनुसार धार्मिक संस्था(दुरूपयोग निवारण)अधिनियम-1988 के प्रावधानानुसार जिले में स्थापित सभी प्रकार के धार्मिक स्थलों यथा मंदिर, मठ, मस्जिद, गुरूद्वारा(सिंधी, सिक्ख), गिरजाघर, चर्च,जैन मंदिर, बौद्ध मंदिर, जैन उपासना स्थल तथा,जिन स्थानों पर पूजा, प्रार्थना, इबादत की जाती है,ऐसे सभी स्थल,धार्मिक संस्थाओं का राजनैतिक और अन्य प्रायोजनों के लिये दुरूपयोग निवारित करने हेतु धारा-3 के तहत् कोई धार्मिक संस्था या उसका प्रबंधक संस्था के या उसके नियंत्रण के अधीन किसी परिसर का उपयोग राजनैतिक प्रयोजन हेतु नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा-4 तहत धार्मिक परिसर में आयुध और गोला बारूद ले जाने, भण्डारण पर पूर्णत:प्रतिबंध रहेगा लेकिन सिक्ख धर्म को मानने वाले किसी व्यक्ति द्वारा कृपाण धारण करने और उसे लेकर चलने पर यह लागू नहीं होगा। धारा-5 के तहत् कतिपय क्रिया-कलापों हेतु धार्मिक संस्थाओं की निधियों के उपयोग का प्रतिषेध रहेगा और धारा-6 मुताबिक राजनैतिक विचारों का प्रचार करने के लिये धार्मिक स्थल एवं परिसर का उपयोग पूर्ण रूपेण प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने बताया, कि जिले के सभी धार्मिक स्थलों, संस्थाओं का राजनैतिक कार्यों के लिये उपयोग करना पूर्णत:वर्जित है।ऐसे स्थलों में समारोह आयोजित कर धर्म, जाति, समुदाय के बीच शत्रुता, आपसी घृणा या वैमनस्यता की भावना भड़काने पर संस्था के प्रबंधक या अन्य कर्मचारी(धार्मिक संस्था या उसके आध्यात्मिक गुरू)द्वारा किसी भी आयोजन के संबंध में संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाना प्रभारी को सूचना देना अनिवार्य है। सूचना न देना भी एक आपराधिक कृत्य है।सूचना न देने वाले के विरुद्ध अधिनियम की धारा-3, 5, 6, 7 एवं 9 के तहत् आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जावेगा।

जिसमें माननीय न्यायालय द्वारा आरोपित व्यक्ति पर 5 वर्ष तक का कारावास और 10 हजार रूपये का अर्थदण्ड साथ ही भारतीय दण्ड विधान की धारा-176 के तहत एक माह तक का कारावास या 500 रूपये का अर्थदण्ड अथवा दोनों दण्ड दिये जा सकते हैं। अधिनियम के उक्त प्रावधानों के तहत् विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 के दौरान सतत् निगरानी रखते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, और अधिनियम के उक्त प्रावधानों से अनुभाग, तहसील, पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित सभी धार्मिक स्थलों के धर्म गुरुओं एवं संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों को धार्मिक स्थलों के सूचना पटल पर चस्पा के माध्यम से अवगत कराया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है,कि उक्त अधिनियम के तहत् जो कार्य प्रतिबंधित किये गये हैं, उन पर सतत् निगरानी रखी जाकर विधिसम्मत कार्यवाही अमल में लाई जायें।

बजरंग दल की मंदसौर विभाग बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बजरंग दल की मंदसौर विभाग बैठक दो सत्रों में भालोट प्रखंड के बंजारी बालाजी मंदिर परिसर में संपन्न है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा राम दरबार व भारत माता के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर अतिथि परिचय के साथ बैठक प्रारंभ हुई। बैठक का संचालन नीमच जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ने करा और अतिथि परिचय गरोठ जिला सह संयोजक जितेंद्र राठौर ने कराया।

प्रथम सत्र में बजरंग दल प्रांत सहसंयोजक अर्जुन गहलोत द्वारा कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया गया बजरंग दल के समस्त आयाम पूर्ण हो इस विषय पर चर्चा की गई कार्यकर्ताओं को सक्रिय कार्यकर्ताओं की सूची बनाकर उन्हें बजरंग दल के से जोड़ना है। जिले प्रखंड खंड तक बजरंग दल की टोली पूर्ण करनी है ।बजरंग दल विभाग संयोजक लक्की बड़ोलिया ने आगामी कार्यक्रम शोर्य संचलन त्रिशूल दीक्षा धर्म सभा पर चर्चा की।

प्रथम सत्र समापन के पश्चात द्वितीय सत्र प्रारंभ हुआ। द्वितीय सत्र विश्व हिंदू परिषद प्रांत संगठन मंत्री श्री नन्ददास दंडोतिया द्वारा लिया गया जिसमें कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया की राम मंदिर का भव्य निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। जनवरी 2024 में राम मंदिर के लिए प्रत्येक हिंदू आमंत्रित हैं। प्रथम पंक्ति में जो कारसेवक रहे हैं। उनको निमंत्रण देना है। प्रांत संगठन मंत्री नंददास दंडोतिया, प्रांत सहसंयोजक अर्जुन गहलोत, प्रांत विद्यार्थी प्रमुख प्रेम कुशवाह, मंदसौर विभाग संयोजक लक्की बाडोलिया, विभाग धर्माचार्य प्रमुख राजेश राठौड, मंदसौर जिला सहसंयोजक अनिल धनगर, मंदसौर जिला सहसंयोजक महेंद्र सुराह, मंदसौर जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, भालोट प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा, सह मंत्री महेश लोहार, सहसंयोजक पंकज व्यास, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख, डिगांव खंड अध्यक्ष सोनू वैरागी, धारियाखेडी खंड मंत्री कौशल सिंह, तन्मय योगेश, सीतामऊप्रखंड विद्यार्थी प्रमुख दीपक शर्मा, नाहरगढ प्रखंड मंत्री बंटी व्यास, प्रखंड संयोजक महेश सेन, प्रखंड बल उपासना प्रमुख रमेश माली, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख यशवंत दांगी, मंदसौर प्रखंड सहसंयोजक राजेश करानिया, नीमच जिला संयोजक दुर्गेश धनगर, सहसंयोजक अनिलसिंह सिसोदिया, साप्ताहिक मिलन प्रमुख राहुल कुशवाह, विद्यार्थी प्रमुख दिलीप राठौर, सर्वेश झंवर, दिनेश सेन, दीपक पटेल, सावन चौहान, गरोठ जिला सहसंयोजक जितेंद्र राठौड, जिला विद्यार्थी प्रमुख दीपक पूरी, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख नरेंद्र पूरी, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख पिरूसिंह, प्रखंड संयोजक पंकज बाली, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख महेंद्र सिंह, प्रवीण राजगुरु, देवेंद्र सिंह, प्रहलाद सिंह उपस्थित थे। बैठक की सेवा कार्य में लगे सेवाभावी सक्रिय कार्यकर्ता भालोट प्रखंड में निवासरत जिला मंदसौर सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर, भालोट प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा, प्रखंड सह मंत्री महेश लोहार, प्रखंड विद्यार्थी प्रमुख योगेंद्र राव, डिगावखंड अध्यक्ष सोनू वैरागी, धारियाखेडी खंड मंत्री कौशल सिंह, तन्मय पाटिल ने सहयोग प्रदान किया। बैठक में पधारे समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का आभार मंदसौर जिला सहसंयोजक अनिल धनगर महेंद्र सुराह ने माना। उक्त जानकारी बजरंग दल विभाग संयोजक लक्की बड़ोलिया ने दी।

मतदाता जागरूकता अभियान के संयुक्त तहसील कार्यालय की दिवारों पर बनाई छात्राओं ने संझा

नीमच, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नीमच शहर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नीमच, शासकीय एमएलबी उ.मा.वि. नीमच सिटी की छात्राओं और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत तहसील कार्यालय नीमच की बाउण्ड्रीवाल पर मतदाता जागरूकता के स्लोगन पर आधारित आकर्षक संझा बनाई। कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एसडीएम डॉ.ममता खेडे ने छात्राओं और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई आकर्षक संझा एवं मतदाता जागरूकता स्लोगन का अवलोकन कर, छात्राओं और आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा बनाई गई संझा की सराहना की। कलेक्टर श्री जैन ने संयुक्त तहसील कार्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं, अधिकारी, कर्मचारियों को सामुहिक रूप से मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर तहसीलदार श्री संजय मालवीय, नायब तहसीलदार श्री नवीन गर्ग, सुश्री कविता कंडेला, व अन्यि अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस जिला स्तरीय आयोजन सम्पन्न

चयनित पांच प्रोजेक्ट राज्य स्तर पर भोपाल में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार की राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का जिला स्तरीय आयोजन हुआ।जिसमें पांच प्रोजेक्ट का चयन किया गया जो राज्य स्तर पर भोपाल में मंदसौर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज, प्राचार्य श्री धर्मपाल सिंह देवड़ा एवं एवं जिला समन्वयक राजेश राठौर, जिला सह-समन्वयक श्री पंकज कुमार पंवार, शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय कयामपुर, जिला संयोजक श्रीमती कीर्ति सक्सेना की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निर्णायक के रूप में श्री बलवंत भंडारी एवं सुश्री आरती शर्मा रहे। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न विषयों पर अपनी परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया। लगभग 32 परियोजनाओं को लेकर प्रतिभागी छात्रों के साथ मार्गदर्शक शिक्षक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन अर्चन से किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया व बच्चों को शुभकामनाएं दी। विभिन्न विद्यालयों के बाल वैज्ञानिकों ने अपने प्रोजेक्ट अनाज का स्वास्थ्य के लिए महत्व, पराली के जलने से पर्यावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य को होने वाली हानियां, पशुओं,मनुष्यों व पौधों में होने वाली मौसमी बीमारियां का महत्व,फलों और सब्जियों की आयु बढ़ाने के उपाय,नम भूमि का मानव कल्याण में योगदान, मिट्टी प्रबंधन के उपाय आदि अनेकों विषयों पर बच्चों ने अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना ने किया।

चयनित पांच परियोजनाएं इस प्रकार रही– सीनियर वर्ग में मनीष सेन शासकीय बालक उमावि क्रमांक 2 मंदसौर, आयुष भेरूलाल हाई स्कूल रिंडा तथा हिना पवार आदित्य पब्लिक स्कूल मंदसौर रहे तथा जूनियर वर्ग में वैभव पिता रमेश शासकीय हाईस्कूल रिंडा तथा वर्षा पिता ब्रजेश शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय कयामपुर रहे बच्चों के लिए आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में 10 से 14 वर्ष के बच्चे जूनियर वर्ग में एवं 14 से 17 साल के बीच के बच्चे सीनियर वर्ग में स्थानीय समस्या पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

मन मेरे ...

भूल जाओ
उन बातों को
जिसका कोई औचित्य नहीं .....
जिस पर अपना कोई नियंत्रण नहीं
किन्तु रखना संभाल कर उन घटनाओंको
उन बातों को
जिसे समय रहते संभाल सकते थे
जो जननी है
तुम्हारी वेदनाओं की.....
जो तुम्हें
आज भी
कुछ न कुछ
बता जाती है....
तुम्हारी स्मृतियों को
जगा जाती है....
ढूंढ के लाती है
वो पल
जिसे याद कर
आज भी तुम्हारी
आँखें हो जाती है गीली
करा जाती है
जाने - अनजाने
किये गए भूल / गलतियों का एहसास
जिससे सबक ले
भविष्य में हर कदम सोच - समझ कर
उठाओ ...
मत करो अपने जीवन से खिलवाड
नहीं करो आँख - मूंद कर किसी पर
भरोसा
नहीं करो बेतहाशा गुस्सा
अपनी उलझन खुद से सुलझाना
सीखो....
सुनो अपने अंतर्मन की आवाज
कुछ फैसले खुद ही लेने पडते हैं
कि उसकी आवृत्ति
वही समझ सकता है
जिसके साथ कोई घटना घट रही हो
तुम ले आना
स्मृतियों के गह्वर से ढूंढ कर किसी
वेदना को और शिद्दत से महसूस करना
उसकी सकारात्मकता को ....
ताकि.....
पछतावे और चुभन के
बदले छा जाए पुरसुकून जिससे....
बढ जाएगी
जिजीविषा के साथ विजिगीषा भी
और....
मुक्त हो जाओगे तुम वेदनाओं के बोझ
से ....
गूँजेगी एक आवाज....
जो होता है
अच्छे के लिए होता है ...
कि प्रकृति न्याय के सिद्धांत पर काम
करती है ....
घनेरी निशा में दिख जाएगा तुम्हें
नभ में चाँद .....
जहाँ कहीं नहीं होगा
वेदना का निशान .....
वहाँ बिखरी होगी शान्ति केवल शांति

डॉ निशा महाराणा
प्राचार्य , सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय , मन्दसौर

निरछित निष्काम सेवा को दर्शाते निरंकारी भक्त, संत समागम की तैयारियां जोरों पर

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में निरंकारी मिशन का76वां वार्षिक संत समागम, पिछले 75 वर्षों की भांति इस वर्ष भी भव्यतापूर्वक दिनांक 28, 29 एवं 30 अक्तूबर, 2023 को सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन सान्निध्य में आयोजित होने जा रहा है। इस समागम का भरपूर आनंद विश्वभर से आये हुए सभी निरंकारी भक्त एवं श्रद्धालुओ द्वारा प्राप्त किया जायेगा। इस शुभ सूचना से संपूर्ण निरंकारी जगत में अत्यंत उत्साह का वातावरण है जहां हर प्रांत से आये हुए भक्त अपने हृदय में वसुदैव कुटुम्बकम्ब का सुंदर भाव लिए हुएएक विस्तृत परिवार के रूप में सत्गुरू के साकार दर्शन एवं उनकी दिव्य वाणी को श्रवण करेंगे। निसंदेह यह स्वयं में एक अलौकिक नजारा होगा जहां पर सभी जनमानष अपनी भाषा, जाति, धर्म एवं वर्ण को भुलाकर एकत्व के दिव्य संदेश को वास्तविक रूप में चरितार्थकरेंगे।

समागम अर्थात् संतों का संगम, इस पावन अवसर की तैयारियां पूर्ण समर्पण एवं चेतनता के साथ भक्तों द्वारा की जा रही है।जिस ओर भीदृष्टि डालो उस ओर ही हजारों की संख्या में नि:स्वार्थ भाव से सभी श्रद्धालु भक्त सूर्य की पहली किरण से लेकर सांय ढलने तक सत्गुरु के साकार रूप में दीदार कर, झूमते, नाचते अपनी सेवाओं को आनंदपूर्वक निभा रहे है।इस अनुपम दृश्य को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे इन श्रद्धालुओं में निरंकारी मिशन की सिखलाई मिलर्वतन एवंएकत्व के सुंदर भाव कोप्रदर्शितकररहीहो।बच्चे, युवा और वृद्ध सभी पूरे जोश के साथ बढ चढकर इन सेवाओ में तनमयतापूर्वक योगदान दे रहे है। कही पर मैदानों को समतल करने हेतु मिट्टी से भरे तसलों की सेवा और वहीं दूसरी तरफ खाली तसलों की। छोटे-छोटे बच्चे भी अपने नन्हे-नन्हे हाथों में तसलों को उठाकर सेवा का भरपूर आनंद प्राप्त कर रहे है। हर ओर ही सेवा का अनुपम नजारा दृश्यमान हो रहा है। यह सब कुछ आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं आंगतुको के भव्य स्वागत हेतु किया जा रहा है ताकि वह समागम में आकर न केवल आध्यात्मिकशिक्षाओं से लाभान्वित होगें साथ ही सभी प्रकार की सुख सुविधाएं भी उपलब्ध करवायी जायेंगी। संतों द्वारा संगतों के लिए टैन्ट लगाना, शामियानों की व्यवस्था में सहायता करना इत्यादि जैसे कार्य भी हर्षोल्लासपूर्वक किये जा रहे है।उनके दिन-रात किये जा रहे अथक प्रयासो का ही यह सकारात्मक परिणाम है कि मात्र कुछ ही समय में शामियानों की सजी हुई सुंदर नगरी एक आकर्षक समागम स्थल के रूप में परिवर्तित हो जायेगी। मानव मात्र की सेवा में लगे हुए इन सभी सेवादारों एवं भक्तों के चेहरों पर थकान नहींअपितु आनन्द की आभा ही प्रतीत हो रही है जिसे देखकर हृदय अत्यंत प्रफुल्लित हो जाता है। यह सब केवल सत्गुरु माता जी के पावन आशीर्वाद द्वारा ही हो रहा है।सेवा हेतु सत्गुरु माता जी भी अकसर अपने विचारों में यही समझाते है कि तन पवित्र सेवा किए, धन पवित्र किए दान; मन पवित्र हरिभजन से त्रिविध होय कल्याण। अर्थात् तन मन धन से की गयी सेवा सदैव ही सर्वोत्तम कहलाती है जिससे हमारा सर्वत्र रूप में कल्याण होता है।

इस पावन संत समागम में समस्त भारतवर्ष के अतिरिक्त दूर देशों से भी लाखों की संख्या में आने वाले सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए समुचित प्रबन्ध व्यवस्था की जा रही है। निरंकारी सेवादल के भाई-बहन नीली एवं खाकी वर्दी पहने हुए रेलवे स्टेशन, बस अड्डेऔर एयरपोर्ट पर आने वाले सभी श्रद्धालु भक्तों का स्वागत करने और उन्हें उनके पूर्व निर्धारित निवास स्थान पर पहुंचाने का प्रबन्ध करते हुए दिखाई देंगें। सेवा की महत्ता का जिक्र निरंकारी मिशन की संपूर्ण हरदेव बाणी में भी किया गया है कि - निरिच्छित निष्काम सेवा अमृत के समान है। कहे हरदेव गुरू का इसमें छुपा हुआ वरदान है। निश्चित रूप में इस दिव्य निरंकारी संत समागम में हर उस महानुभाव का हृदय से हार्दिक अभिनन्दन है जो यहां आकर स्वयं को प्रेम, एकत्व एवं शांति के इस पावन पर्व में सम्मिलित कर परम् आनंद की अनुभूति प्राप्त करना चाहता है। यह जानकारी मंदसौर मिडिया सहायक शीतलदास कोतक ने दी।

रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

आ गये चुनाव

पहनकर कपडे
सफेद झकास
कर ही डालेंगे
आपका विकास
इन्हें चाहिये वोट
पार्टी में झुकाव
जोड़ लेंगे हाथ
पकड लेंगे पाँव
मुफ्त की रेवडी
वादों के भाव
सरकार का दाँव
आ गये चुनाव।

नन्दकिशोर राठौर, मंदसौर

निर्वाचन व्यय अनुविक्षण समितियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

नीमच, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में अभ्यर्थियों के लिए निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा आयोग द्वारा निर्धारित की गई है। सभी अभ्यर्थियों और राजनैतिक दलों को समान अवसर प्रदान करने के उदेश्य से यह व्यय सीमा निर्धारित की गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा गठित निर्वाचन व्यय अनुविक्षण दल के सभी सदस्य अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर कड़ी निगरानी रखें और व्यय का सही लेखा संधारित करें। यह निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में निर्वाचन व्यय अनुविक्षण दलों के सदस्यों के प्रशिक्षण को सम्बोधित करते हुए कही। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलनी, संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव साहू ,श्री राजेश शाह एंव डॉ.राजेश पाटीदार भी उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने कहा, कि प्रत्येक थानास्तर पर फ़्लाईग स्कॉट टीम गठित कर दी गई है। साथ ही सभी दस थानास्तर पर एसएसटी गठित की गई है। एसएसटी में संबंधित थाने में पदस्थ दो-दो पुलिस अधिकारी तैनात किए गए है। एसएसटी व एफएसटी में शामिल पुलिस अधिकारी अपने टीम के बाकी सदस्यों से परिचय, सम्पर्क एवं संवाद कर, एक दूसरे के नम्बरों का आदान-प्रदान कर लें, ताकि उन्हे निर्वाचन के दौरान दायित्व निर्वहन में कोई असुविधा न हो। इस प्रशिक्षण में डॉ.राजेश पाटीदार ने निर्वाचन व्यय प्रेक्षक के दौरे, पुलिस मुख्यालय में नोडल अधिकारी, लेखा टीम के दायित्व, पेड न्यूज निगरानी एवं एमसीएमसी के दायित्व, शिकायत अनुविक्षण, नियंत्रण कक्ष, और काल सेन्टर स्टार प्रचारक की सभा रैली पर होने वाले व्यय की निगरानी, हेली काप्टर एवं विमान खर्च स्टार प्रचारक, बैरीकेट तथा मंच, अन्य अनुविक्षण तंत्र, विवाह, सामुदायिक भवनों में उपहार सामग्री भोजन टोकन वितरण, नगद वितरण, एटीएम वैन तथा अन्य द्वारा नगदी ले जाने, अभ्यर्थियों द्वारा लेखों का रख रखाव, निर्वाचन व्ययों के दैनिक लेखों के रजिस्टर केश तथा बैंक रजिस्टर भरने, बैंक रजिस्टर, राजनैतिक दलों अन्य व्यक्तियों द्वारा व्यय आदि बिन्दुओं पर प्रजेन्टेशन के माध्यम से विस्तार से प्रशिक्षण दिया और उपस्थित जनों की जिज्ञासाओं शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यालय विनोद कुमार सोनी एडव्होकेट
जनता कालोनी मंदसौर, मोबाईल 9826419470

****** जाहिर सूचना ******

दिनांक 13.10.2023

सर्व साधारण को मेरे पक्षकार श्रीमती नंदकुंवर पति आनंदसिंह मंगोलिया एवं गोपालसिंह पिता आनन्दसिंह मंगोलिया निवासी मंदसौर से प्राप्त माहिती एवं निर्देशानुसार इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण ने भवन क्रमांक LIG. C. 21 संजीत मार्ग मंदसौर गृह निर्माण मण्डल के मूल आवंटी श्री शांतिलाल पिता कस्तुरचंद जी कुमावत से क्रय कर दिनांक 22 अगस्त 2003 को पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित किया गया जिसका नगर पालिका परिषद मंदसौर में श्रीमती नंदकुंवर पति आनंदसिंह मंगोलिया एवं गोपालसिंह पिता आनन्दसिंह मंगोलिया नाम से नामांतरण हो चुका है वर्तमान में उक्त भवन में मेरे पक्षकारगण अपने परिवार के साथ निवास कर रहे है उक्त भवन का नामांतरण दिनांक 22 अगस्त 2003 को निष्पादित पंजीयन के आधार पर मेरे पक्षकार श्रीमती नंदकुंवर पति आनंदसिंह मंगोलिया एवं गोपालसिंह पिता आनन्दसिंह मंगोलिया के नाम से म.प्र. गृह निर्माण मण्डल में संयुक्त रूप से नामांतरण किया जाना है । अत: इस संबंध मूल आवंटी/परिजन अथवा किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस में ठोस प्रमाण के साथ मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे उक्त समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन श्रीमती नंदकुंवर पति आनंदसिंह मंगोलिया एवं गोपालसिंह पिता आनन्दसिंह मंगोलिया के नाम नामांतरण हेतु म.प्र.गृह निर्माण मण्डल में आवेदन प्रस्तुत कर नामांतरण करवा लिया जावेगा इसके उपरांत कोई उर्ज या दावा मान्य नहीं होगा । सो सूचित हो।

भवदीय
विनोद कुमार सोनी एडव्होकेट वास्ते पक्षकार

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	270	1548	2441
उडद	90	4860	9361
सोयाबीन	6285	3600	4800
गैहु	3200	2430	3170
चना	174	5168	6601
मसुर	261	5500	6101
धनिया	310	4200	6741
लहसुन	16500	5000	17000
मैथी	718	5403	7021
अलसी	1752	4421	5021
सरसो	368	4876	5152
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	29	14753	20261
प्याज	2600	611	2200
कलोंजी	61	12000	16300
डॉलर	10	12491	15611
तिल्ली	4	1400	15700
मटरसुखी	25	1600	1828
असालीया	10	9659	9700

प्रत्याशी कर सकेंगे सिर्फ 10 हजार नगद खर्च

प्रतिदिन देना होगा ऑनलाइन या चेक से खर्च का ब्यौरा

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आचार संहिता लागू होने के साथ ही विधानसभा चुनाव में ब्लेक मनी के ट्रांजेक्शन रोकने के लिए प्रत्याशियों पर चुनाव आयोग ने नया शिकंजा कसा है। आयोग ने तय किया है कि कोई भी उम्मीदवार इस साल होने वाले चुनाव में दस हजार रुपए से अधिक राशि नकद खर्च नहीं कर सकेंगे। इसके अलावा पूरा ट्रांजेक्शन ऑनलाइन या चेक के माध्यम से करना होगा। आयोग ने पिछले चुनाव में तय नगद खर्च की लिमिट 20 हजार रूपए को बढ़ाने के बजाय उसे घटा दिया है।

रिटर्निंग अधिकारियों के अनुसार आयोग ने चुनाव खर्च को लेकर जो गाइडलाइन जारी की है। उसके मुताबिक पूरे चुनाव के दौरान खर्च की जाने वाली राशि में टेंट, शामियाना, खाना-पीना, बिजली, वाहन किराया समेत चुनाव प्रचार का सारा भुगतान उम्मीदवार सिर्फ चेक या ऑनलाइन प्रोसेस से ही करेगा। इस पूरे खर्च में वह सिर्फ दस हजार रुपए का भुगतान नगद कर सकेगा। इतना ही नहीं उसके द्वारा जो राशि भुगतान की जाएगी, उसका ट्रांजेक्शन भी सिर्फ उसी खाते से किया जाएगा, जिसे वह नामांकन दाखिल करने की तारीख से एक दिन पहले खुलवाएगा। इस खाते के हर ट्रांजेक्शन पर आयोग की निगरानी रहेगी। इसके पहले वर्ष 2018 में हुए चुनाव तक नकद राशि भुगतान की लिमिट 20 हजार रुपए तक थी।

ऐसे खुलेगा नया बैंक खाता...

चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी को चुनाव में खर्च के लिए नया बैंक खाता स्वयं एवं अपने एजेंट के नाम से खुलवाना होगा। इसी खाते के माध्यम से राशि जमा एवं आहरण की जाना होगी। मतदान के तीन दिन पहले दिल्ली से आने वाली निर्वाचन टीम के सदस्यों द्वारा निर्वाचन खर्च रजिस्टर की जांच की जाएगी और कमी होने पर उसमें सुधार भी कराया जाएगा। इसके लिए रिटर्निंग अधिकारी नोटिस दे सकेंगे।

चालीस लाख रूपए कर सकेंगे खर्च...

विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी कुल 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे। प्रत्याशी जब नामांकन आवेदन जमा करेंगे तो भी सामान्य वर्ग के कैंडिडेट को 10 हजार और एससीएसटी वर्ग के उम्मीदवार को 5 हजार रुपए जमा करने होंगे। इस दौरान निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनको रजिस्टर दिया जाएगा। जिसमें प्रत्याशियों को हर दिन का खर्च दर्ज करना होगा, जिसका बिल एवं पक्की रसीद भी साथ में रखनी होगी।

सही हिसाब नहीं दिया तो होंगे अयोग्य...

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सभी प्रत्याशी को निर्वाचन व्यय का लेखा- जोखा निर्वाचन अधिकारी को अपना व्यय एवं लेखा रजिस्टर, बिल, रसीद सहित जमा करना होगा। यदि किसी भी प्रत्याशी द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है तो वह विधानसभा, लोकसभा, विधान परिषद एवं राज्यसभा के निर्वाचन के लिए तीन साल तक अयोग्य घोषित हो जाएगा। इसके अलावा जुर्माना की कार्रवाई तक की जाएगी।

कांग्रेस में वापसी के कारण हवाएं तय कर रही प्रत्याशियों के नाम...

मंदसौर/उज्जैन, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जन चर्चाओं में सुबह शाम के अंतराल में ही कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम सतह पर आते हैं और बदल भी जाते हैं। विधानसभा चुनाव का दौर भी चरम पर है। इस बार का चुनाव प्रतिष्ठा का भी है। इसलिए भी उधार के सिंदूर से चली भाजपा सरकार को आलोचनाओं के साथ जनमत की नाराजगी का अभी तक सामना करना पड़ रहा है। भाजपा के वर्षों से चले आ रहे राजनीतिक आवरण को ही आयातित कांग्रेसियों ने वापस जाकर इतना बिगाड़ दिया कि भाजपा के अपने ही लोग नाराज हो चुके हैं। इसका आम जनमत और राजनीतिक जगत में भी भाजपा को ही नुकसान हो रहा है। प्रमुख विरोधी दल जैसा था वैसा ही है। क्योंकि अधिकांश यहीं से भाजपा में गए थे, वापस आ गए तो यथा स्थिति बन चुकी है। यानि पहले जैसी थी वैसे ही कांग्रेस फिर से हो गई है। लाभ की स्थिति में भी नहीं है ना ही ऐसा होने से जन आधार में कोई इजाफा हुआ है।

चन्द्रमोहन भगत

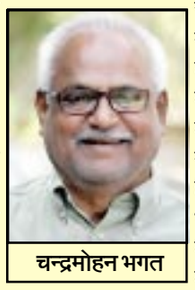

भाजपा की साख को जरूर नुकसान हुआ है और अब तो आचार संहिता भी लग गई है। इसलिए भाजपा को इस घाटे की भरपाई का समय भी नहीं मिल पाया और चुनाव की तैयारी में लगना पड़ा। वैसे आयातित कांग्रेसियों के वापस कांग्रेस में जाने से कांग्रेस संगठन का मनोबल बढ़ गया है। वापस आने वालों ने क्षेत्र में अपना वजूद रखने के साथ ही आते-आते भाजपा में अब दिग्गजनेता की श्रेणी तक पहुंच चुके सिंधिया को कमजोर करके आए हैं। अत: कांग्रेस को चुनावी वातावरण में यह अतिरिक्त लाभ मिला है। ऐन चुनाव के पहले कई भाजपा में जाने वालों की वापसी से आज भले ही कमलनाथ को लाभ मिलता नजर आ रहा है पर यह फिक्स डिपॉजिट पर अधिक ब्याज वाला लाभ भविष्य में दिग्विजय सिंह को सबसे ज्यादा लाभ पहुंचाने वाला है।

क्योंकि यह राजनीतिक जगत में सर्वविदित है की सिंधिया ने कांग्रेस पार्टी को क्यों और किसके कारण तिलांजलि दी थी। प्रदेश भाजपा से कांग्रेस में आवागमन के कारण भाजपा को सरकार हारने के बाद सरकार बनाने का लाभ जरूर मिला। शिवराज ने फिर से उधार का सिंदूर के सहारे मुख्यमंत्री बनकर जो समझौता किया, वह भी सिर्फ उनके खुद के लिए तो लाभकारी साबित हुआ है। दूसरी तरफ जब भाजपा के ही योग्य विधायकों को नजरअंदाज किया जाने लगा था। सिंधिया के साथ आए विधायकों को मंत्री बनाना पड़ा और अपने लोगों को बाहर रखना पड़ा था। तब भाजपा को लाभदायक लग रहा था, पर अब वरिष्ठ भाजपाई भी इस तरह के समझौते को भाजपा की नीव के लिए भविष्य में नुकसानदायक साबित होने वाला मान रहे हैं। बल्कि, नुकसान होना शुरू भी हो गया है।

इधर सिंधिया भी समर्थकों के वापस जाने से पहले जैसे ताकतवर नेता नहीं रहे हैं। बस बड़े राजघराने के नामी व्यक्ति होने के कारण थोड़ा मान सम्मान रखा जा रहा है। भाजपा के प्रत्याशी टिकट वितरण में भी वर्चस्व का पैमाना दिख रहा है। कहा कांग्रेस में सिंधिया समर्थक विधायकों की संख्या तीन दर्जन हुआ करती थी। और अब एक डेढ़ दर्जन तक सिमट गए हैं। दलबदलुओं के सहारे चली सरकार के बाद यह पहला चुनाव है। बीजेपी हारी तो शिवराज -महाराज का समझौता बदनाम होगा। उधर कांग्रेस में इसके साथ आने वालों की वापसी के कारण जीत के लिए उत्साह बनता साफ नजर आ रहा है।

अब नई सरकार में होगी लोकायुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति

भोपाल, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सूचना आयोग में अभी मुख्य सूचना आयुक्त के साथ दो सूचना आयुक्त पदस्थ हैं। लोकायुक्त की नियुक्ति अब नई सरकार में ही होगी। लोकायुक्त की चयन समिति में भी मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष होते हैं, इसलिए अब बैठक भी नहीं बुलाई जा सकती है।

1. 16 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है लोकायुक्त का कार्यकाल । 2. नई नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। 3. विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लग चुकी है, इसलिए नई नियुक्तियां नहीं हो सकती हैं। मध्य प्रदेश में अब नए लोकायुक्त और सूचना आयुक्त की नियुक्तियां नई सरकार में होंगी। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से नई नियुक्तियों पर रोक लग गई है।

एनके गुप्ता का कार्यकाल 16 अक्टूबर को समाप्त होगा – लोकायुक्त जस्टिस एनके गुप्ता का कार्यकाल 16 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है, लेकिन चयन के लिए अब समिति की बैठक नहीं हो सकती है। जब तक नई नियुक्ति नहीं होती है, तब तक वे पद पर बने रहेंगे। वहीं, राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के रिक्त पदों पर भी नियुक्ति अब नई सरकार में होगा।

अब नई नियुक्तियां संभव नहीं– सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लग चुकी है, इसलिए नई नियुक्तियां नहीं हो सकती हैं। राज्य सूचना आयोग में रिक्त सूचना आयुक्त के पदों पर नियुक्ति के लिए नौ अक्टूबर को चयन समिति की बैठक बुलाई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से यह नहीं हो सकी और फिर चुनावों की घोषणा हो गई।

मुख्य सूचना आयुक्त के साथ दो सूचना आयुक्त पदस्थ– आयोग में अभी मुख्य सूचना आयुक्त के साथ दो सूचना आयुक्त पदस्थ हैं। उधर, लोकायुक्त की नियुक्ति भी अब नई सरकार में ही होगी। लोकायुक्त की चयन समिति में भी मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष होते हैं, इसलिए अब बैठक भी नहीं बुलाई जा सकती है। नियम में प्रविधान है कि जब तक नए लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो जाती है, तब तक कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी वे एक वर्ष तक पद पर बने रह सकते हैं।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

मनासा, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत भाटखेड़ी बुजुर्ग में अज्ञात कारणों के चलते एक 42 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार सुबह की है। जब मृतक द्वारा अपने घर का दरवाजा नहीं खोला गया तो परिजनों को शंका हुई। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर मनासा थाना पुलिस की डायल 100 मौके पर पहुंची। जहां बड़ी मशक्कत के बाद घर का दरवाजा तोड़ा गया। घर की छत पर लगे वेंटीलेशन पर गोपाल पिता शिवलाल कुशवाहा उम्र 42 वर्ष का शव लटका दिखाई दिया। गोपाल ने उस समय आत्महत्या की जब घर पर कोई मौजूद नहीं था। मृतक की पत्नी यशोदा ने बताया कि वह कल गुरुवार शाम से बच्चे के साथ अपने मायके मनासा गई हुई थी। घर पर मृतक गोपाल अकेला था। मगर सुबह पड़ोसियों को शंका होने पर उन्होंने अंदर झांक कर देखा तो यह माजरा सामने आया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मनासा थाना पुलिस और ग्राम पंचायत के सरपंच मनीष पुरोहित मौके पर पहुंचे और शव को फांसी के फंदे से उतार कर मनासा के सरकारी अस्पताल भेजा। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

आतंकी साजिश में रतलाम कनेक्शन, आधा दर्जन संदिग्धों से एनआईए ने की पूछताछ

रतलाम, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जयपुर को दहलाने की आतंकी साजिश में रतलाम का कनेक्शन सामने आने के बाद देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी एनआईए इस मामले में जांच कर रही है। रतलाम में शुक्रवार को एनआईए ने जयपुर आतंकी साजिश के मामले में आरोपियों से जुड़े कुछ संदिग्धों को नोटिस देकर पूछताछ की है।शहर के सीएसपी कार्यालय में नोटिस देकर बुलाए गए लोगों से पूछताछ की और जयपुर में ब्लास्ट करने की साजिश सहित आतंकी संगठन सुफा के बारे में भी पूछताछ की है। पूछताछ के लिए बुलाए गए लोगों में आतंकी साजिश के मास्टरमाइंड इमरान के नजदीकी रिश्तेदार और अन्य आरोपियों के संपर्क में रहे लोग शामिल हैं।

बता दें कि राजस्थान के निंबाहेड़ा में बीती 28 मार्च 2022 को विस्फोटक पदार्थों के साथ पकड़े गए आतंकियों का रतलाम कनेक्शन सामने आया था। पकड़े गए आतंकियों द्वारा जयपुर में धमाके करने की योजना के तहत विस्फोटक पदार्थ ले जाए जा रहे थे। इसके बाद एटीएस और एनआईए की टीम ने रतलाम से करीब एक दर्जन संदिग्धों और आतंकियों की गिरफ्तारी की थी। इसमें इस साजिश का मास्टरमाइंड इमरान भी शामिल था। वह अपने रतलाम स्थित फार्म हाउस पर बम बनाने की ट्रेनिंग भी अपने साथियों को देता था। कुछ महीने पहले मुख्य आरोपी इमरान के फार्म हाउस सहित अन्य संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई भी रतलाम पहुंचकर की थी। इस मामले में एनआईए की जांच लगातार जारी है।

रीडिंग चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सीबीएसई रीडिंग मिशन कार्यक्रम के तहत दशपुर विद्यालय में सीबीएसई रीडिंग चैलेंज का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों के लिए उनकी पढ़ने की समझ और महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढ़ाना।

प्रतियोगिता के प्रथम चरण में विद्यालय के कक्षा 6 टी से 10वीं तक के 125 छात्रों ने भाग लिया। जिनमें से द्वितीय चरण के लिए प्रत्येक कक्षा से एक -एक छात्रों को चुना गया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस परीक्षा में चुने गए छात्रों ने कम्प्यूटर पर ऑनलाइन परीक्षा देकर अपने बौध्दिक कौशल का परिचय दिया। परीक्षा की सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक राजेन्द्र देबाना, शिक्षिका श्रीमती सरिता भाटी, कम्प्यूटर शिक्षक नितिन हाड़ा का सराहनीय योगदान रहा।

कार से मिली एक किलो अफीम, दो गिरफ्तार

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने पिपलिया मंडी- मनासा रोड़ पर एक कार से एक किलो से ज्यादा अफीम जब्त की है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कार और अफीम जप्त की है। आचार संहिता के चलते बनाए गए चेक पोस्ट पर तैनात टीम ने संदिग्ध कार से 1 लाख 20 हजार रूपए कीमत की 1 किलोग्राम अफीम बरामद की है। मामले की जानकारी देते हुए मल्हारगढ़ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि चुनावी आचार संहिता के चलते जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में चेक पोस्ट बनाए गए हैं। यहां एसटीएफ टीम तैनात की गई है।

नारायणगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि गुरुवार को झार्डा-रैतम नदी पुलिया पर बने चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार क्रमांक जीजे 06 एसके 6305 को रोककर कार में सवार दो व्यक्तियों से पूछताछ की गई। शंका हुई तो सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों में पेट्रोल टैंक में स्कीम बनाकर उसमे अफीम की तस्करी करना बताया। इसके बाद पुलिस ने कार का पेट्रोल टैंक को खोलकर चेक किया तो टैंक के एक पार्ट में फ्यूल भरा था। जबकि एक पार्ट में 1 किलो 26 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम निकली। जिसकी कीमत 1 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है। मौके से पुलिस ने कार चालक नागेश पिता भागीरथ मेघवाल निवासी उमरिया थाना पिपलिया मण्डी और सुरेन्द्रसिह पिता धनसिह सिसोदिया निवासी उगरान थाना जीरन का होना बताया। आरोपियों के खिलाफ अवैध मादक पदार्थ अधिनियम एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

प्रेस फोटोग्राफर बंटी वर्मा का निधन, अंतिम यात्रा आज

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्व. ओमप्रकाशजी वर्मा के सुपुत्र

वरिष्ठ पत्रकार एवं मेंढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज जनकुपूरा पंचायत के पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा के अनुज ,सतीष (अप्पू) वर्मा के बड़े भाई तथा कार्तिक एवं जतिन के पूज्य पिताजी प्रेस फोटोग्राफर शैलेन्द्र(बंटी) वर्मा का 44 वर्ष की आयु में दु:खद निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज 14 अकटुम्बर शनिवार को प्रात: 8.30 बजे निवास सिद्व चक्र नगर शिव मंदिर वाली गली मंदसौर से निकलेगी।

44 वर्षीय बंटी वर्मा पिछले कुछ समय से बीमार थे। दो दिन पूर्व उपचार के लिए अहमदाबाद ले जाया गया था जहां शुक्रवार की सुबह आपका निधन हो गया। स्व. वर्मा पिछले करीब 25 वर्षो से भी अधिक समय से प्रेस फोटोग्राफर एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे, अपनी बेहतरीन फोटोग्राफी के माध्यम से शहर ही नही अपितु पूरे जिले में अपनी पहचान बनाई थी। बंटी के निधन की खबर से प्रेस जगत समेत स्वर्णकार समाज मे शोक की लहर छा गई।

दम्पत्ति को पीटा

पिपलियामंडी, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बेटी को लेने गए दम्पत्ति को समधियों ने पीटा। जानकारी के अनुसार काचरिया चन्द्रावत निवासी विष्णुलाल पिता कारुलाल बावरी ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पत्नी कारीबाई के साथ अपनी बेटी अनिता को लेने लसुड़िया कदमाला गए थे, जहां अनिता के ससुर समरथ, दादा ससुर राधेश्याम, जमाई अरुण ने गाली-गलौज की व लात-घुसों से पीटा व दौबारा गांव में आने पर जान से मारने की धमकी दी।

दौलतपुरा से लापता किशोरी राजस्थान से मिली, अपहर्ता भी धराया

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वायडी नगर थाना क्षेत्र के दौलतपुरा से लापता 13 वर्षीय किशोरी को वायडी नगर पुलिस ने राजस्थान के बांसवाड़ा से दस्तयाब किया है। मामले में एक अपहरणकर्ता को गिरफ्तार किया गया है।

वायडी नगर पुलिस ने बताया कि 10 अक्टूबर को दौलतपुरा निवासी एक व्यक्ति ने अपने घर से नाबालिग बालिका के अपहरण होने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने टीम गठित कर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुन्देला को तत्काल मय फोर्स रवाना कर घटना स्थल व अन्य संभावित स्थानो पर तलाश की। मुखबीरो एवं सूचनाकर्ता के रिश्तेदारो की मदद लेकर 48 घण्टे मे नाबालिग बालिका को बाँसवाडा राजस्थान से दस्तयाब किया। वहीं अपहरण करने वाले आरोपी समीर पिता अमीरूद्दीन उम्र 21 साल निवासी दौलतपुरा थाना वायडी नगर मन्दसौर को गिरफ्तार किया गया है। अपहृत बालिका को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाकर परिजनो के सुपूर्द किया गया।

विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला सम्पन्न

नारायणगढ़, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।

उक्त जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगढ़ के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल पाटीदार ने देते हुए बताया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत दिनांक 13 अक्टूबर 2023, शुक्रवार को स्वास्थ्य मेले का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नारायणगढ़ पर किया गया। इस स्वास्थ्य मेले में मेडिकल कॉलेज रतलाम से आए विशेष चिकित्सक द्वारा मरीजों का उपचार किया गया तथा शिविर में 1091 मरीज ने उपचार करवाकर स्वास्थ्य लाभ लिया। स्वास्थ्य मेले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंदसिंह चौहान, मीडिया प्रभारी एम. एल. कश्यप, डी. पी. एम. राकेश शर्मा, बी.एम.ओ. डॉ. जितेंद्र पाटीदार मल्हारगढ़, संस्था के प्रभारी डॉ.अनिल पाटीदार, बी.पी.एम. राजेंद्र गुथरिया, बी.ई.ई. ओ. पी. लोहार,ओ.पी.राठौर एवं ब्लॉक के सभी चिकित्सकों एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

महिला क्रिकेट स्पर्धा में अग्र धाकड़ की टीम विजेता रही

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देसी पंचायत मंदसौर द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की जन्म जयंती पर आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वितीय दिवस का समारोह शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर अतिथि श्री संजय अग्रवाल मुंबई, आनंद अग्रवाल पिपलिया मंडी, मुकेश गर्ग पिपलिया मंडी ,योगेश गर्ग, जितेंद्र मित्तल ,मुकेश गुप्ता, गिरीश अग्रवाल बैकरी वाला ,सुभाष गुप्ता ने किया। समाज के संरक्षक नरेंद्र अग्रवाल, राजमल गर्ग ,महिला मंडल अध्यक्ष बिना गर्ग, सचिव मनीषा गर्ग भी मंचस्थ थे। अध्यक्षता समाज अध्यक्ष

आशीष गुप्ता ने की। शुक्रवार को अग्रवाल प्रीमियम लीग के तहत महिला वर्ग की क्रिकेट स्पर्धा हुई जिसमें चार टीम में मैदान में उतरी थी, अग्र धाकड़ और अग्रवाल लाइनस के मध्य फाइनल मैच खेला गया जिसमें अग्र धाकड़ की टीम विजेता रही और उपविजेता का अग्रवाल लाइनस रही। एपीएल के तहत आज 14 अक्टूबर शनिवार को महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन के परिसर में 8 टीमें पुरुष एवं युवा वर्ग की मैदान उतरेंगी प्रात: 7:00 बजे से दिनभर चलेगा रोचक मैच, जनसारंगी यूट्यूब चैनल पर होगा मैच का सीधा प्रसारण।

इस अवसर पर अतिथि संजय अग्रवाल मुंबई ने कहा कि आज 40 वर्ष बाद मंदसौर अग्रवाल समाज से जुड़ने का फिर अवसर मिला, वास्तव में छोटे शहरों में सामाजिक आयोजन भी परिवार भाव की तरह होते हैं जो मुझे यहां देखने को मिल रहा हैं। मुंबई जैसे महानगरों में तो इस प्रकार के आयोजन की कल्पना करना भी दूर की बात हैं। मंदसौर अग्रवाल समाज ने मुझे आज अतिथि बनाकर आप सबसे मिलने का जो सौभाग्य प्रदान करवाया उसके लिए मैं मंदसौर अग्रवाल समाज का सदैव ऋणी रहूंगा। आपने कहा कि अग्रवाल समाज देश में सर्वाधिक टैक्स देने वाला समाज है उसके बावजूद भी कहीं ना कहीं हमारी सबकी आपसी कमजोरी के कारण जो मान सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिलता हैं। हम सबको एकजुट होकर अपनी एकता का दिखानी होगी तभी जाकर हमारा मान सम्मान कायम रहेगा। रात्रि में सांस्कृतिक मंच पर एक से बढ़कर एक अनेक प्रस्तुतियां हुई। शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन परिसर में अग्रवाल प्रीमियर लीग महिला क्रिकेट स्पर्धा में चार टीमों ने टेनिस बॉल से क्रिकेट मैच खेला,ख प्रथम मैच अग्र धाकड़ एवं अग्र क्वींस के मध्य खेला गया जिसमें अग्र धाकड़ विजय रही। द्वितीय मैच अग्र शक्ति एवं अग्रवाल लाइनस के मध्य खेला गया जिसमें अग्रवाल लाइसेंस विजय रही,ख फिर फाइनल मुकाबला अग्र धाकड़ एवं अग्रवाल लाइनस के मध्य हुआ जिसमें अग्र धाकड़ की टीम के कप्तान प्रमिला अग्रवाल एवं अग्रवाल लाइसेंस की कप्तान रानी सिहंल दोनों के मध्य अतिथियों ने ट्रांस करवाया, अग्रवाल लाइनर्स की कप्तान रानी सिंहल ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया जिसमें अग्रवाल लाइनस की टीम 8 ओवर में मात्र 46 रन ही बना पाई जबकि अग्र धाकड़ की टीम ने एक विकेट गंवाकर चार ओवर में ही 47 रन बना लिए और विजय श्री प्राप्त की अग्र धाकड़ की ओर से दर्शिका मित्तल ने 30 रन बनाकर एक विकेट लिया और मैन ऑफ़ द मैच का खिताब प्राप्त किया।

लघु कार्यशाला आज

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सुगम मतदान विषय पर लघु कार्यशाला का आयोजन कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में आयोजित किया गया है। कार्यशाला 16 अक्टूबर 2023 को दोपहर 1 बजे आयोजित होगी।

खड़े ट्रक में जा घुसा पुलिस... पेज 1 से जारी

उपचार जारी है। वहीं एक अन्य युवक सौरभ को भी हल्की चोट आई है।

ट्रक चालक व मालिक पर प्रकरण दर्ज– जानकारी के अनुसार लापरवाही पूर्वक ट्रक को बीच सड़क पर खड़ा करने और सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं करने पर जीरापुर जिला राजगढ़ निवासी ट्रक मालिक साबिर पिता रज़ाक खां और ट्रक चालक सुनील पिता हरिसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

प्रशिक्षण में बिना बताए अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को निलंबित करें-कलेक्टर

मंदसौर, 13 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में सभी नोडल अधिकारियों, सभी आरओ के साथ एक विशेष बैठक सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान प्रशिक्षण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान ऐसे अधिकारी कर्मचारी जो बिना कारण बताएं अनुपस्थित रहते हैं। उनके विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही करें।

कोई भी कर्मचारी बिना कारण बताएं प्रशिक्षण में अनुपस्थित ना रहे। सभी रिटर्निंग ऑफिसर पिंक बूथ बनाने की कार्यवाही करें। मतदान के लिए लगे कर्मचारी व्यवस्थित तरीके से लगाए। कोई भी कर्मचारी रिपीट नहीं होना चाहिए। सेक्टर एवं पुलिस अधिकारियों की ट्रेनिंग करवाए। सभी को एक बार ईवीएम का प्रशिक्षण भी प्रदान करें। बैंकों के कर्मचारियों को माइक्रो आब्जर्वर के रूप में नियुक्त करें तथा उनको प्रशिक्षण प्रदान करें। मतदान दलों को जारी किया जाने वाला पास डिजिटल तरीके से बनाएं। वीएसटी, एफएसटी टीम पर्याप्त मात्रा में वीडियोग्राफर रखें। यह दोनों टीम 24 घंटे लगातार कार्यवाही करनी चाहिए। वीडियोग्राफर के द्वारा किए जा रहे वीडियो को समय-समय पर चेक करे। ठीक तरीके से वीडियो बने इसका विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान, सभी आरओ, सभी नोडल अधिकारी मौजूद थे।

✻ अंतिम यात्रा ✻

स्व. ओमप्रकाश जी वर्मा के पुत्र

एवं संजय वर्मा(पत्रकार) के अनुज सतीश (अप्पू)वर्मा के भ्राता, कार्तिक व जतिन के पिताजी व दिव्यांश के काकाजी श्री शैलेन्द्र (बंटी) वर्मा का आकस्मिक निधन 13/10/ 2023 शुक्रवार को हो गया है। अंतिम यात्रा 14/10/ 2023 शनिवार को सुबह 8.30 बजे निवास स्थान रामटेकरी, सिद्ध चक्र विहार, शिव मंदिर वाली गली मन्दसौर से निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
राजेश वर्मा एवं संजय वर्मा
वर्मा (सोनी) परिवार मन्दसौर

✻ नाम परिवर्तन सूचना ✻

मेरा नाम पूर्व में मरियम बाई पिता अल्लाह नूर जी पति सुल्तान था। जिसे बदलकर मैने मेरा नया नाम मरियम रख लिया है। अत: आईन्दा आगे से मुझे मेरे नए नाम मरियम के नाम से जाना पहचाना जावें। सूचित हो।

पता- मरियम पति सुल्तान
वार्ड नं.-16, बोतलगंज, मंदसौर

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 13.10.2023

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अजय सेन पिता शिवनारायण जी जाति नाई. निवासी ग्राम जवासीया तहसील दलौदा जिला मंदसौर के स्वामित्व स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय सह व्यवसायीक मकान जो ग्राम पंचायत के भवन पंजी के अनुक्रमांक 468 पर दर्ज होकर ग्राम जवासीया पहन 3 तहसील दलौदा जिला मंदसौर का सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249392022ए1098649 दिनांक 31.01.2022 से अपनी पत्नी श्रीमती राजकुमारी सेन पति अजय सेन जाति नाई, निवासी ग्राम जवासीया तहसील दलौदा जिला मंदसौर को बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तुसीमा-पूर्व में-कृष्णा बाई का मकान, पश्चिम में -आम रास्ता, उत्तर में -रास्ता, दक्षिण में-दशरथ कुमावत का मकान, पैमाईश पूर्व से पश्चिम 24 फीट तथा उत्तर से दक्षिण 23 फीट है। कुल क्षेत्रफल-552 वर्गफीट या 51.28 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर अजय सेन पिता शिवनारायण जी जाति नाई, निवासी ग्राम जवासीया तहसील दलौदा जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in